

पुष्प की अभिलाषा कक्षा - आठवीं

विषय - हिंदी (LOWER HINDI)

पाठ - ४

पाठ का नाम - पुष्प की अभिलाषा

PPT-1

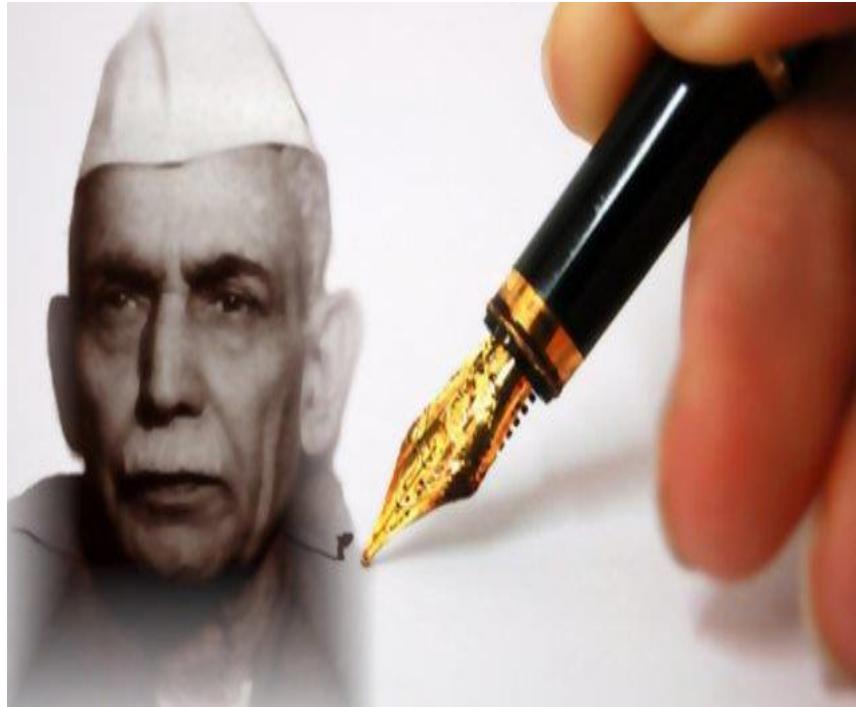
CHANGING YOUR TOMORROW

कवि परिचय

माखनलाल चतुर्वेदी

(४ अप्रैल १८८९-३० जनवरी १९६८)

माखन लाल “पंडितजी” के नाम से भी विख्यात है। माखन लाल **चतुर्वेदी** को ब्रिटिश राज के दौरान स्वतंत्रता के लिए चलने वाले विभिन्न आंदोलनों में दिए योगदान के कारण भी याद किया जाता हैं। इसके अलावा उनकी रचनाएँ “पुष्प की अभिलाषा” और “हीम-तरंगिनी” आज भी उतनी ही प्रसिद्ध हैं जितनी उस समय थी, जब इसकी रचना हुई थी।



पाठ प्रवेश

पुष्प की अभिलाषा' कविता में कवि ने देश के प्रति समर्पित होने का संदेश दिया है। पुष्प के माध्यम से कवि ने प्रेरणा दी है कि हमें अपने देश के लिए त्याग-बलिदान करने में पीछे नहीं रहना चाहिए। हमें अपने देश पर स्वयं को बलिदान करने के लिए सदा तत्पर रहना चाहिए। प्रकृति की वस्तुओं को प्रतीक मानकर कवि ने देश के लिए बलिदान होने का मनोभाव व्यक्त किया है। पुष्प को देवताओं के सिर पर चढ़ने की अपेक्षा बलिदानी वीरों के पैरों तले रौंदे जाने की कामना की है। 'अभिलाषा' शीर्षक पाठ में पुष्प की अभिलाषा प्रकट की गई है।

संबंधित प्रश्न –

१. पुष्प की अभिलाषा के लेखक कौन है?
२. इस कविता के माध्यम से कवि ने क्या संदेश दिया है?
३. हमें अपने देश के किस काम के लिए तत्पर रहना चाहिए?
४. पुष्प माली से अपनी कौन - सी इच्छा प्रकट कर रहा है?
५. 'अभिलाषा' का अर्थ क्या है?



सामान्य उद्देश्य –

१. कविता के भाव को समझने के लिए छात्रों को तैयार करना ।
२. छात्रों के शब्द भंडार की अभिवृद्धि करना ।
३. शब्दों के सही उच्चारण पर बल देना ।
४. तत्सम-तद्भव तथा देशज शब्दों का प्रयोग सिखाना ।
५. कविता वाचन की कला सिखाना ।

विशिष्ट उद्देश्य –

१. छात्रों को स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों के महत्व के बारे में बताना ।
२. कविता के भाव को समझकर उसे अपने जीवन में उतारने का सामर्थ्य जगाना ।
३. छात्रों को देश के हित के लिए तत्पर रहना चाहिए।
४. अपने भीतर सदैव देश - प्रेम तथा त्याग - बलिदान की भावना को बनाए रखना ।

कविता का सारांश :

इस कविता का सारांश यह है कि , एक पुष्प जिसका प्राकृतिक इस्तेमाल , सुन्दर स्त्रियों पर सुशोभित होना , प्रेमिकाओं के गले की माला बनना , भगवान की मूर्तियों पर चढ़ाया जाना और सम्राटों के शव पर डाला जाना है। वह पुष्प इस सब को छोड़ कर अपने आप को देश पर बलिदान होने वालों पर डालने के लिए माली से अपनी इच्छा प्रकट कर रहा है। इस कविता में कवि ने देश भक्ति की भावना जगाने की कोशिश की है।



**THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP**